वादी जिरह हेतु उपस्थित होकर सहमति दी अतः न्यायहित में जिरह हेतु अंतिम अवसर दिया जाकर पत्रावली वास्ते जिरह दि. 1/4/15 को पेश हो।

1/4/15 – पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उप./ आज भी जिरह हेतु समय चाहते हैं। अंतिम अवसर पुनः दिया जाता है। पत्रावली दि. 6/4/15 को पेश हो।

6/4/15 – पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित। पत्रावली में वादी एवं प्रतिवादी सं. 1 द्वारा स्वयं उप. हो आपसी सहमति से बंटवारा करवाने की इच्छा जाहिर कि अतः बाद तस्दीक राजीनामा स्वीकार किया जाकर प्रा. डिक्री जारी करने का आदेश दिया जाता है। पत्रावली दि. 28/5/15 को पेश हो।

जीवण

नग जी

28/5/15 – पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित। पक्षकारान द्वारा पूर्व में राजीनामा पेश किया जा चुका है अतः पत्रावली में प्रा. डिक्री जारी की जाकर पत्रावली फैसल हो। पत्रावली वास्ते पालना रिपोर्ट दि. 24/06/15 को पेश हो।

Scanned by CamScanner